MR. BAIJU BAWRA
DOE
A.N.D. College
28.8.2020

B.Ed - 1st year
Course. 7(G)
Unit - 1
Topic -
Selection of Hindi Text-Book

Selection of Hindi Text-book & Importance

किसी राज्य की क्षेत्रीय भाषाओं में हमें विभिन्न विषयों की पाठ्य-पुस्तकों की बहुत आवश्यकता है। विशेष रूप से हिन्दी या अहिन्दी राज्यों में हिन्दी विषय की अच्छी पुस्तकों की कमी है। वर्तमान में विषय-वस्तु के संगठन और प्रस्तुतीकरण के निम्न स्तर के साथ-साथ हिन्दी पाठ्य-पुस्तकों की सज्जा, छपाई जैसी यान्त्रिक रूपक भी निम्न स्तरीय है। इसलिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण पक्षों पर विचार करने के पश्चात ही हिन्दी या कोई भी पाठ्य-पुस्तक का चुनाव करना चाहिए।

1. लेखक :-

हिन्दी पाठ्य पुस्तक के लेखक को अनुभवी एवं उच्च शैक्षिक योग्यता धारक होना चाहिए। हिन्दी की नवीनतम अवधारणाओं, सिद्धान्तों और विधियों में उसको पारंगत होना चाहिए

2. साज सज्जा :-

पुस्तक के बनाने में उच्चकोटि का कागज प्रयुक्त होना चाहिए जिल्द सुन्दर और मजबूत होनी चाहिए। आवरण आकर्षक होना चाहिए

3. ~~पाठों का~~ पाठ्य पुस्तक ~~की~~ व्यवस्था :-

पाठों का संगठन क्रमबद्ध एवं सुसम्बद्धता से किया जाना चाहिए पाठ के अन्त में सारांश को भी दिया जाना चाहिए।

4. प्रस्तुतीकरण :-

हिन्दी पाठ्य पुस्तक में विषय-वस्तु को मनोवैज्ञानिक और तार्किक क्रम में व्यवस्थित करना चाहिए। विषय वस्तु का स्तर शिक्षार्थियों के मानसिक स्तर के अनुकूल हो तथा उनकी

Scanned with CamScanner

मूल्यों और अभिव्यक्तियों की दृष्टि से ... करना।

विषय वस्तु

पाठ्य पुस्तक के आरम्भ में विषय-सूची को ... प्रणाली ढंग से दिया जाना चाहिए।

6. परिशिष्ट

इसके अन्तर्गत वे सभी तालिकाएँ आती हैं ... शब्दों एवं वाक्यों के इस के लिए ... रूप में तैयार रहती हैं।

7. अनुक्रमणिकाएँ

पाठ्य पुस्तक के अन्त में इकाई अनुसार प्रत्येक प्रश्न के स्पष्ट और सही उत्तर दिये जाने चाहिए।

पाठ्य पुस्तकों का महत्व :

1. ज्ञान प्राप्ति का सशक्त साधन
2. पाठ्य पुस्तकें मितव्ययी
3. शिक्षक की पथ प्रदर्शिका
4. स्थायित्व ज्ञान हेतु
5. स्वाध्याय व आत्मविश्वास
6. मौलिक चिन्तन की पृष्ठभूमि
7. एकरूपता लाने में सहायक
8. स्वानुकूल शिक्षा के लिए

उपर्युक्त वर्णन से हम पाठ्य पुस्तक को स्पष्ट कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner